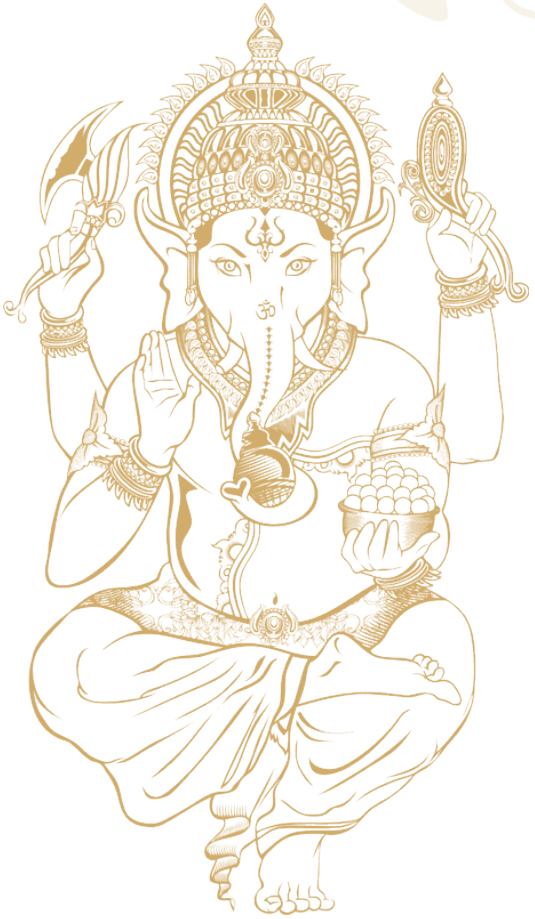

Dibya

05 Oct 1998

05:26 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121176814

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/1998**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:26:00 घंटे**
इष्ट	57:28:54 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:55:28 घंटे
वेलान्तर	00:11:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:49:20 घंटे
सूर्योदय	06:26:26 घंटे
सूर्यास्त	18:11:49 घंटे
दिनमान	11:45:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:42:46 कन्या
लग्न के अंश	03:53:15 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:53:15	307:45:20	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कन्या	17:42:46	00:59:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मीन	05:47:17	15:00:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	04:37:01	00:36:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	24:37:01	01:40:09	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	26:49:00	00:06:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	11:11:21	01:14:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:46:33	00:04:20	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:03:42	00:03:40	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:03:42	00:03:40	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:03:10	00:00:41	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:33:33	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:07:47	00:01:34	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	03:42:50	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

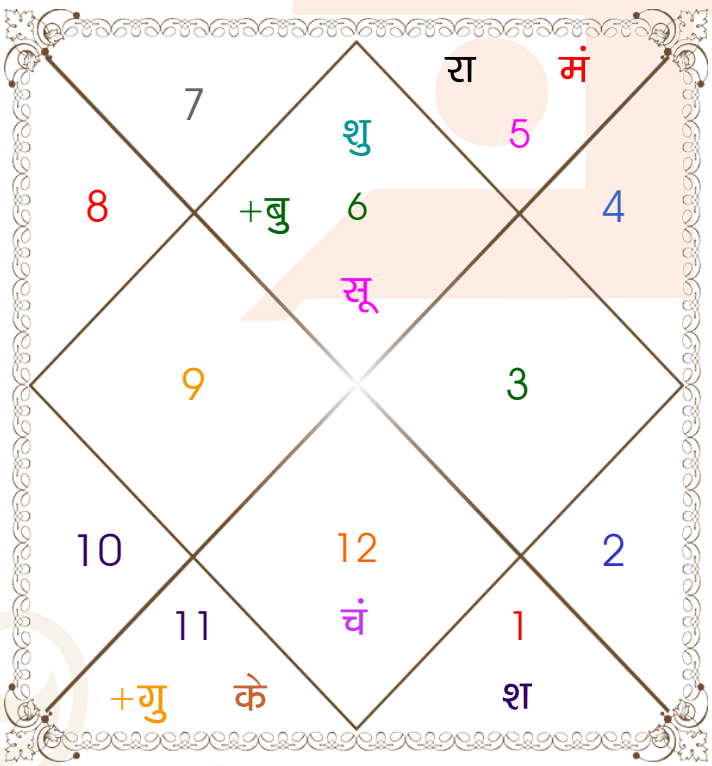

चन्द्र कुंडली

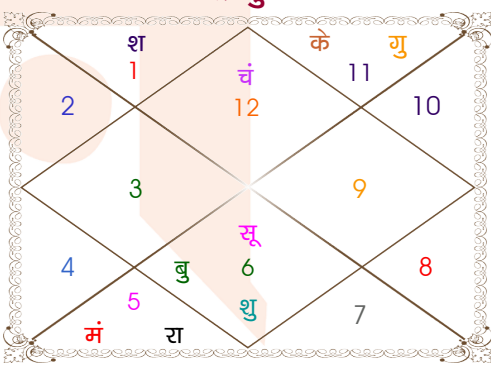

नवमांश कुंडली

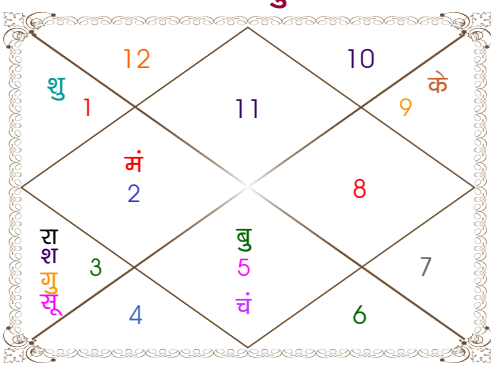

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 6 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/10/1998		06/04/2014		06/04/2031		06/04/2038		06/04/2058	
06/04/2014		06/04/2031		06/04/2038		06/04/2058		05/04/2064	
	05/10/1998	बुध	01/09/2016	केतु	02/09/2031	शुक्र	05/08/2041	सूर्य	24/07/2058
बुध	17/12/2000	केतु	30/08/2017	शुक्र	01/11/2032	सूर्य	06/08/2042	चंद्र	23/01/2059
केतु	26/01/2002	शुक्र	30/06/2020	सूर्य	09/03/2033	चंद्र	05/04/2044	मंगल	31/05/2059
शुक्र	27/03/2005	सूर्य	06/05/2021	चंद्र	08/10/2033	मंगल	05/06/2045	राहु	24/04/2060
सूर्य	09/03/2006	चंद्र	05/10/2022	मंगल	06/03/2034	राहु	05/06/2048	गुरु	10/02/2061
चंद्र	09/10/2007	मंगल	03/10/2023	राहु	25/03/2035	गुरु	04/02/2051	शनि	23/01/2062
मंगल	17/11/2008	राहु	21/04/2026	गुरु	29/02/2036	शनि	06/04/2054	बुध	29/11/2062
राहु	24/09/2011	गुरु	27/07/2028	शनि	09/04/2037	बुध	04/02/2057	केतु	06/04/2063
गुरु	06/04/2014	शनि	06/04/2031	बुध	06/04/2038	केतु	06/04/2058	शुक्र	05/04/2064

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/04/2064		06/04/2074		06/04/2081		06/04/2099		07/04/2115	
06/04/2074		06/04/2081		06/04/2099		07/04/2115		00/00/0000	
चंद्र	04/02/2065	मंगल	02/09/2074	राहु	18/12/2083	गुरु	25/05/2101	शनि	10/04/2118
मंगल	05/09/2065	राहु	20/09/2075	गुरु	12/05/2086	शनि	07/12/2103	बुध	06/10/2118
राहु	07/03/2067	गुरु	26/08/2076	शनि	18/03/2089	बुध	13/03/2106		00/00/0000
गुरु	06/07/2068	शनि	05/10/2077	बुध	06/10/2091	केतु	17/02/2107		00/00/0000
शनि	04/02/2070	बुध	02/10/2078	केतु	23/10/2092	शुक्र	18/10/2109		00/00/0000
बुध	06/07/2071	केतु	01/03/2079	शुक्र	24/10/2095	सूर्य	07/08/2110		00/00/0000
केतु	04/02/2072	शुक्र	30/04/2080	सूर्य	17/09/2096	चंद्र	07/12/2111		00/00/0000
शुक्र	05/10/2073	सूर्य	05/09/2080	चंद्र	19/03/2098	मंगल	11/11/2112		00/00/0000
सूर्य	06/04/2074	चंद्र	06/04/2081	मंगल	06/04/2099	राहु	07/04/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।